

हिमाचल के प्रतिनिधिमंडल ने किया मानू का दौरा



युवा संगम कार्यक्रम के तहत मानू के दौरे पर आए हिमाचल प्रदेश के प्रतिनिधि के सदस्य।

हैदराबाद, 30 दिसंबर-(मिलाप व्हर्क) युवा संगम पहल के तहत हिमाचल प्रदेश के छावों और युवाओं के प्रतिनिधिमंडल ने आज मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय का दौरा किया। यह कार्यक्रम उनका स्वागत पारंपरिक रूप से किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत सरकार की एक भारत-श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत आयोजित युवा संगम के तहत हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल आज हैदराबाद पहुँचा। एनआईटी, हमीरपुर के डॉ. परम सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मानू का दौरा किया। मानू के स्कूल ऑफ मास कन्सिलेशन एंड जनीलिज के प्रमुख और डीन तथा तेलंगाना में युवा संगम कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. मोहम्मद फरियाद ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। इसवें बाद प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों और विभागों का दौरा कर यहाँ संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों तथा सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने यहाँ शिक्षकों और छावों से बातचीत की।

अवसर पर प्रो. मोहम्मद फरियाद ने प्रतिनिधिमंडल को तेलंगाना के दक्कन क्षेत्र और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने परंपराओं के संगम और उर्दू साहित्य और कला के केंद्र के रूप में दक्कन के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। इस यात्रा ने युवा संगम पहल द्वारा पेशीत सीखेने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना को रेखांकिता

किया। उन्होंने कहा कि युवा संगम कार्यक्रम युवाओं को भारत की सांस्कृतिक और विकासात्मक उपलब्धियों के विविध पहुँचों से परिचित कराने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों के बीच संबंधों को मजबूत करते हुए राष्ट्रीय एकता तथा सौहार्द को

प्रोत्साहन प्रदान करना है। मानू के दौरे के बाद हिमाचल प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद के प्रतिचित्र विरासत स्थलों का भ्रमण किया। इनमें कला और कलाकृतियों के विश्व स्तरीय संग्रह के लिए प्रसिद्ध सालारजंग संग्रहालय तथा स्थापत्य कला की भव्यता का प्रतीक, ऐतिहासिक चारपीनार शामिल थे।

اعتماد

یو و اس گم پروگرام کے تحت ہماچل پردویں کے نمائندہ وفد کی آمد پروگرام کے پہلے دن مانو میں رواجی ختم مقدم۔

حیدر آباد، 30 نومبر (پرسنل نوت) ہماچل پردویں کے طبلاء اور جو اون کا ایک نمائندہ وفد آج صبح حیدر آباد پہنچا۔ یہ وفد حکومت ہند کے پروگرام "یو و اس گم"، ایک بھارتی ترقیتی محنت بھارت (EBSB) کے قریبے کے تحت تلاش کا مطالبائی دورہ کر رہا ہے۔ ہماچل پردویں سے آئے والے



ہم وفد کی قادات این آئی بھر پر کے ذکر ہم عکس کر رہے ہیں۔ وہیں یو و اس گم کے موقع پر پروگرام ہند کے نمائندہ وفد کے پیغمبر فرمودیں اور جو اون کے کیٹہاؤز میں وفد کی سماں میں اور جو اون کے ساتھ موقق رہا۔ مرفہ "مرفہ" کے ساتھ پر جوش اور امن کی سرگرمی کا ایک اور جو اون کی پیغمبری کی تھی۔ پروگرام ختم فرمائے ہماچل پردویں کے طبلاء اور جو اون کا ایک اور جو اون کی تاریخ اور ترقیت کو پہنچ میں جو اون کی ترقیت کو جو کبھی بھی ترقی سے بھی ترقی کیا جائے گا اور جو اون کی ترقیات میں جو اون کی ترقیات کے طبق کو تلقی شہروں کا منعکر کرو گی اور یو و اس گم کی ترقیات میں دھنیاب کو رسمی کی ترقیات سے پہنچنے کے درجے کے بعد، ہماچل پردویں کا جائزہ لیتے کے دراں وہاں کی کیمپی اور طلبے سے بھی ملاقات کی۔ یو و اس گم کے درجے کے بعد، ہماچل پردویں کے نمائندہ وفد تاریخی پار یونیورسٹی کے مطابق کے لیے مدد اور یونیورسٹی اور خوبصورت مدارک کو کوکر دھنکے گی اماکن شدیدہ گے۔ اس کے بعد یو و اس گم کا یقلا سالار جنگ سیڑھی کے مطابق سے کے لیے پہنچا۔ یہ کام میڈیا اور جو اون کو جیسا ہاں کے تاریخی درجے سے آگاہ کرنے۔ ہماچل پردویں کی ذمہ داری ہے میرے ایسی عالمی شہرت یافتہ نون اور زادروزات کے نایاب ذخیرے کے لیے دنیا بھر میں مشہور ہے۔ یو و اس گم پرogram کا مقصد ملک کی تاریخی ایالتی کی ایجاد کے لیے دنیا بھر میں ملکی تعلقات کو ختم کرنا اور جو اون کو ہمارت کی شہادت اور ترقیاتی کامیابیوں سے روشن کروانا چاہیے۔ گذشتہ مدد اور یاست ہمکاری کے لیے جو اون کا نامہ ہے وہ مدد اور یاست ہماچل پردویں کے ایک بڑی بلوپی طاقتائی دورے کے نامہ ہے جو اون آئی آئی، یہی پورے ان طلبہ کی مدد ایسیں ایجاد ہے۔ ہماچل پردویں ایسیں ایجاد ہے۔

మనూలో హిమాచల్ ప్రదేశ్ బృందం



రాయదుర్గం: ఎక్ భారత్.. శైఖ్ భారత్ (శబీస్ బీ) కింద హిమాచల్ ప్రదేశ్ రాష్ట్రానికి చెందిన విద్యార్థులు, యువకులతో కూడిన బృందం సోమవారం ఉదయం ఉర్దూ విశ్వవిద్యాలయం క్యాంపస్‌కు చేరు కున్నారు. అరేబియా సాంప్రదాయంతో, రిథమ్మిక్

డ్రమ్మో వారికి స్యాగతం పలికారు. ఈ సందర్భంగా మనూ అధికారులు దక్కన్ చరిత్ర, సాంస్కృతిక ప్రాముఖ్యత, సాంప్రదాయాలు, ఉర్దూ సాహిత్యం, కళల గురించి వివరించారు. అనంతరం క్యాంపస్‌ను నిర్వహించి విచారించారు. 9

Yuva Sangam Program - Arrival of Himachal Pradesh Delegation Traditional Welcome at MANUU on the first day



(Standard Post Bureau)

Hyderabad, Dec 30 : A delegation of students and youth from Himachal Pradesh, as part of the Government of India's Yuva Sangam initiative under Ek Bharat Shreshtha Bharat (EBSB), arrived in Hyderabad and visited Maulana Azad National Urdu University (MANUU) this morning. The visitors were given a warm and unique welcome with the Arabian tradition of Marfa, along with rhythmic drum beats adding vibrancy to the occasion.

The delegation from Himachal Pradesh is being

led by Dr. Param Singh of NIT, Hamirpur.

Prof. Mohammad Fariyad, Head and Dean, School of Mass Communication and Journalism at MANUU and the nodal officer of the Yuva Sangam program in Telangana, welcomed and addressed the delegation, providing a detailed overview of Telangana's Deccan region and its rich cultural heritage. He highlighted the historical and cultural significance of the Deccan as a melting pot of traditions and a hub of Urdu literature and art.

The team toured the

university campus, exploring various schools and departments, where they engaged with faculty and students to gain insights into the academic and cultural environment of MANUU.

The visit underscored the spirit of learning and cultural exchange fostered by the Yuva Sangam initiative.

Following their campus tour, the delegation embarked on a journey to discover Hyderabad's iconic heritage sites. Their itinerary included the Salar Jung Museum, renowned for its world-

class collection of art and artifacts, and the historic Charminar, a symbol of Hyderabad's architectural grandeur. These visits provided the team with a closer look at the city's legacy and its blend of tradition and modernity. The Yuva Sangam program, designed to promote people-to-people connections and expose youth to diverse facets of India's cultural and developmental achievements, continues to strengthen bonds across states, creating memorable experiences and fostering national unity.

THE FREEDOM PRESS 31-12-2024, Page 2

Yuva Sangam: HP youth delegation visits MANUU



FREEDOM PRESS BUREAU HYDERABAD (TG), DEC 30

A delegation of students and youth from Himachal Pradesh, as part of the Government of India's Yuva Sangam initiative under Ek Bharat Shreshtha Bharat (EBSB), arrived in Hyderabad and visited Maulana Azad National Urdu University (MANUU) on Monday. The visitors were given a warm and unique welcome with the Arabian tradition of Marfa, along with rhythmic drum beats adding vibrancy to the occasion.

The delegation from Himachal Pradesh is

being led by Dr. Param Singh of NIT, Hamirpur.

Prof. Mohammad Fariyad, Head and Dean, School of Mass Communication and Journalism at MANUU and the nodal officer of the Yuva Sangam

heritage. He highlighted the historical and cultural significance of the Deccan as a melting pot of traditions and a hub of Urdu literature and art.

The team toured the university campus, ex-

The team toured the university campus, exploring various schools and departments, where they engaged with faculty and students to gain insights into the academic and cultural environment of MANUU.

program in Telangana, welcomed and addressed the delegation, providing a detailed overview of Telangana's Deccan region and its rich cultural

ploring various schools and departments, where they engaged with faculty and students to gain insights into the academic and cultural environment

of MANUU. The visit underscored the spirit of learning and cultural exchange fostered by the Yuva Sangam initiative.

Following their campus tour, the delegation embarked on a journey to discover Hyderabad's iconic heritage sites. Their itinerary included the Salar Jung Museum, renowned for its world-class collection of art and artifacts, and the historic Charminar, a symbol of Hyderabad's architectural grandeur. These visits provided the team with a closer look at the city's legacy and its blend of tradition and modernity.

मानु में युवा संगम कार्यक्रम - हिमाचल प्रदेश प्रतिनिधिमंडल का आगमन

हैदराबाद
(एजन्सी),

एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB) के तहत भारत सरकार की युवा संगम पहल के तहत हिमाचल प्रदेश के छात्रों और युवाओं का एक प्रतिनिधिमंडल आज सुबह हैदराबाद पहुंचा और मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानु) का दौरा किया। आगंतुकों का अरबी परंपरा मार्फा के साथ गर्जोशी से और अनोखे ढंग से स्वागत किया गया, साथ ही लयबद्ध ढोल की थाप ने इस अवसर को और भी जीवंत बना दिया।

हिमाचल प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एनआईटी, हमीरपुर के डॉ. परम सिंह कर रहे हैं। मानु के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज़म के प्रमुख और डीन और तेलंगाना में युवा संगम कार्यक्रम के नोडल अधिकारी



प्रोफेसर मोहम्मद फरियाद ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और उन्हें संबोधित किया, जिसमें तेलंगाना के दक्कन क्षेत्र और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का विस्तृत विवरण दिया गया।

उन्होंने परंपराओं के संगम और उर्दू साहित्य और कला के केंद्र के रूप में दक्कन के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। टीम ने विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया, विभिन्न स्कूलों और विभागों की खोज की, जहाँ उन्होंने M A N U U के शैक्षणिक और

सांस्कृतिक वातावरण के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए संकाय और छात्रों के साथ बातचीत की। इस यात्रा ने युवा संगम पहल द्वारा पोषित सीखने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना को रेखांकित किया। अपने परिसर के दौरे के बाद, प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद के प्रतिष्ठित विरासत स्थलों की खोज के लिए यात्रा शुरू की।

उनके कार्यक्रम में कला और कलाकृतियों के विश्व स्तरीय संग्रह के लिए प्रसिद्ध सालार जंग संग्रहालय और हैदराबाद की स्थापत्य भव्यता का

प्रतीक ऐतिहासिक चारमीनार शामिल थे। इन यात्राओं ने टीम को शहर की विरासत और परंपरा और आधुनिकता के मिश्रण को करीब से देखने का मौका दिया।

युवा संगम कार्यक्रम, लोगों से लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने और युवाओं को भारत की सांस्कृतिक और विकासात्मक उपलब्धियों के विविध पहलुओं से अवगत कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो राज्यों के बीच संबंधों को मजबूत करता है, यादगार अनुभव बनाता है और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है।

یوواسگم پروگرام کے تحت ہماچل پرڈیش کے نمائندہ وفد کی آمد پروگرام کے پہلے دن مانو میں روایتی خیر مقدم

کی اس 400 سال تک جاری اور خصوصیت
بھارت کو بخوبی کہا جاتا ہے اسی کی وجہ سے شدید
دھونگے۔ اس کے بعد یوواسگم کی قابلیت سالار
کے لیے پہنچنے کے معاہدے کے لیے پہنچا۔
جس کا مقصد ان نوجوانوں کو حیدر آباد کے
تاریخی روشنی سے آگاہ کرنے ہے۔ بیہاں یہ بات
قائم ہے جسے یوواسگم کی اپنی خیریت بنا
کیا ہے اور نوجوانوں کے یاپ اور خیر کے
لئے یہاں پہنچنے ہے۔



پرڈیش کے طلباء کو مختلف شعبوں کا ماحصلہ کر دیا
گیا اور یونیورسٹی میں وحدتی و تحریک کو برداشت
بھارت کی ایجاد اور ترقیاتی کامیابیوں سے
روشناس کر دیا گی۔

عجائب پرڈیش کے طلباء اور نوجوانوں کا ایک
دھنے والوں کے اسکولوں کا باہر ہے لیے
عجائب پرڈیش کے ایک تھنے طبلیں معاہدی
لیتھیز کی مدد کے ساتھ پرڈیش کے
لیک بھارت شریعتی بھارت " یوواسگم "،
یوواسگم کے موقع پر یوواسگم کے
طبکار میں ایک عجیب تجھی تجھیب سے گھنی تجھی کا
جاتا ہے۔ اردو یونیورسٹی میں ایک ہماچل
کے مشاہدے کے لیے روانہ ہوا۔ شہر حیدر آباد
کے فراہم خامبوں پر۔

یوواسگم کا یاد رکھنے والے طلباء اور خیریت سے
کے سفر پر واقعی "مرف" کے ساتھ ہے
کوئی کھٹکی میں بیٹھ دیکھا کا خیر قدم کیا گیا اور
جنی اخراجیں ہیں جس کا خیر کیا گیا اور خیر کیا گیا اور
ان دونوں کی پیغمبری کی گئی۔

عجائب پرڈیش کے طلباء اور خیریت سے
یوواسگم کے موقع پر یوواسگم کے
طبکار میں ایک عجیب تجھی تجھیب سے گھنی تجھی کا
جاتا ہے۔ اردو یونیورسٹی میں وہی ایک طلباء کی
جاتا ہے۔ اردو یونیورسٹی میں ایک ہماچل
کے فراہم خامبوں کے لیے روانہ ہوا۔ شہر حیدر آباد
کے فراہم خامبوں کے لیے روانہ ہوا۔

پاسیبان 2

31 December 2024

یوواسگم پروگرام کے تحت ہماچل پرڈیش کے نمائندہ وفد کی آمد

حیدر آباد، 30 دسمبر (پرلس نوٹ) ہماچل پرڈیش کے طلباء اور نوجوانوں کا ایک
نمائندہ وفد آج صبح حیدر آباد پہنچا۔ یہ وفد حکومت ہند کے پروگرام "یوواسگم"، "ایک
بھارت شریعتی بھارت" (EBSB) کے بغیرے کے تحت تنگانہ کا مطالعاتی دورہ کر رہا
ہے۔ ہماچل پرڈیش سے آنے والے اس وفد کی قیادت این آئی ٹی، یعنی پور کے ڈاکٹر
پرم سنگھ کر رہے ہیں۔ وفد کی یونیورسٹی آمد کے موقع پر یوواسگم تنگانہ کے نوڈل آفس
پروفیسر محمد فرید عجیبی طور پر موجود تھے۔ یونیورسٹی کے گیست ہاؤز میں وفد کی آمد کے موقع پر
رواہی عربی "مرف" کے ساتھ پر جوش انداز میں سکھی شرکاء کا خیر قدم کیا گیا اور ان لوگوں
کی گلپوشی کی گئی۔ پروفیسر محمد فرید ایک طالبہ کے طلباء اور نوجوانوں کا یہ دورہ تنگانہ کی
یونیورسٹی میں رکی طور پر خیر مقدم کیا اور امید ظاہری کے طلباء اور طلباء کے طلباء کے طلباء کے
تاریخ اور ثقافت کو سمجھتے ہیں۔ اس کے مطابق ریاست تنگانہ کے قدمیں اور
جذبیدوں ہندیوں کا ایک حسین ٹکمہ ہے۔ جہاں کی تہذیب کو گھنی جنمی تہذیب سے بھی
تہذیب کیا جاتا ہے۔ اردو یونیورسٹی میں آج ہماچل پرڈیش کے طلباء کو مختلف شعبوں کا معاہدہ
کروائیا گیا اور یونیورسٹی میں دستیاب کو سزی کی تفصیلات سے واقف کر دیا گیا۔ وفد نے مانو
کے اسکولوں کا جائزہ لینے کے دوران وہاں کی فیکٹری اور طلباء سے بھی ملاقات کی۔ یونیورسٹی
کے دورے کے بعد، ہماچل پرڈیش کا یہ نمائندہ وفتار تجھی چار بیمار کے مشاہدے کے
لیے روانہ ہوا۔ شہر حیدر آباد کی اس 400 سال قدیم تاریخی اور خصوصیت عمرات کو دیکھ کر
وفد کے بھی ارکین ششدرہ گئے۔ اس کے بعد یوواسگم کا یہ قافلہ سالار جنگ میوزم کے
مشاہدے کے لیے پہنچا۔ جس کا مقصد ان نوجوانوں کو حیدر آباد کے تاریخی ورثے سے آگاہ کرنا
ہے۔ بیہاں یہ بات قابل ذکر ہے میوزم اپنی عالمی شہرت یافتہ نوجوانوں اور نوجوانوں کے نیا باب
ذخیرے کے لیے دنیا بھر میں مشہور ہے۔ یوواسگم پروگرام کا مقصود ملک کی مختلف ریاستوں
کے نوجوانوں کے درمیان شفاقتی اور سماجی تعلقات کو مضبوط بنانا اور نوجوانوں کو بھارت کی
شفاقت اور ترقیاتی کامیابیوں سے روشناس کروانا ہے۔

یو اسنگم پروگرام کے تحت ہماچل پردوش کے نمائندہ وفد کی آمد، پروگرام کے پہلے دن مانو میں روایتی خیر مقدم



تو جوانوں کے درمیان شفاقتی اور سماجی تعلقات کو مضبوط ہماچل پردوش کے طلبہ کو مختلف شعبوں کا معاون کردا یا کیا ہمارت کو دیکھ کر وفد کے سمجھی ارکین ششدروہ گئے۔ اس طبیعت کا معاذہ کرنے کے لئے پہنچا۔ جس کا مقدم ان تو جوانوں کو حیدر آباد کے بعد یو اسنگم کا یقان سالار جنگ سیزیم کے مقابلہ میں مذکور ہے۔ اور طبیعت کو اپنے اسکولوں کا جائزہ لینے کے مذاہدہ بناتا اور تو جوانوں کو بھارت کی شفاقت اور ترقیتی کامیابی کو دیکھا کیا۔ وہندے ہاؤ کے اسکولوں کا جائزہ لینے کے سے آئے والے اس وفد کی قیادت این آئی، یہ سرور مذکور کے ذاکر پر ٹکر کر رہے ہیں۔ وفد کی یو یونورسی آمد کے موقع پر یو اسنگم تماںگان کے نوؤل آفسر پر فیصلہ فریاد شخصی طور پر موجود تھے۔ یونورسی کے گیئے ہاؤ میں وفد کی آمد کے موقع پر رواہی عربی مرغ کے ساتھ پر جوش انداز میں سمجھی شرکا کا خیر مقدم کیا گیا اور ان لوگوں کی گلوبویٹ کی آمد۔ پروفیسر محمد فریاد نے ہماچل پردوش کے طبیعت کا معاذہ آزادی ہماچل اور جوانوں کا ایک ریکٹر خیر مقدم کیا اور امید تماںگان کی طلبہ تو جوانوں کا یہ دورہ کرتا ہے۔ کی تاریخ اور طبیعت کو کہتے ہیں ہزار دوڑھا تھا۔ ان کی تاریخ اور طبیعت کے آگاہ کرتا ہے۔ یہاں یہ بات ہماچل کے طباخ ریاست تماںگان تھیں اور جانشی میں تین ہیں کا معاذہ کرنے کے بعد، ہماچل پردوش کا یہی مذکور ہے۔ جوانوں کے بعد، ہماچل پردوش کے سے یہی مذکور ہے۔ جوانوں کا تاریخی چار بھروسے کے لیے دنیا بھر میں مشہور ہے۔ جہاں پر این آئی آئی، یہی پر دنے ان طلبہ کی میراثی تجذیب سے بھی تجہیز کیا جاتا ہے۔ اردو یونورسی میں آن چار بھروسے کے فرائض انجام دیئے۔

Urdu Action, Bhupal/Bhurhapur, 31-12-2024, Page 2

یو اسنگم پروگرام کے تحت ہماچل پردوش کے نمائندہ وفد کی آمد پروگرام کے پہلے دن مانو میں روایتی خیر مقدم



حیدر آباد، 30 دسمبر (پرسنٹ) ہماچل پردوش کے طلبہ اور جوانوں کا ایک معاذہ کے بعد یو اسنگم کا یقان سالار جنگ سیزیم کے مقابلہ سے کے بعد، ہماچل پردوش کے نمائندہ وفد اسی تاریخ اور شفاقت کو کہتے ہیں ہزار دوڑھا تھا۔ ان کے مطابق یہاں یہ بات ہماچل کی تاریخی ورثتے سے آگاہ کرتا ہے۔ یہاں یہ بات ہماچل کے طباخ ریاست تماںگان تھیں اور جانشی میں تین ہیں کا معاذہ کرنے کے بعد، ہماچل پردوش کے سے یہی مذکور ہے۔ جوانوں کا تاریخی چار بھروسے کے لیے دنیا بھر میں مشہور ہے۔ جہاں پر این آئی آئی، یہی پر دنے ان طلبہ کی میراثی تجذیب سے بھی تجہیز کیا جاتا ہے۔ اردو یونورسی میں آن چار بھروسے کے فرائض انجام دیئے۔

مقدم کیا اور امید تماںگان کی طلبہ تو جوانوں کا ششدروہ گئے۔ اس کے بعد یو اسنگم کا یقان سالار جنگ سیزیم کے مقابلہ سے کے بعد، ہماچل پردوش کے نمائندہ وفد کی یو یونورسی آمد کے موقع پر یو اسنگم تماںگان کے نوؤل آفسر پر فیصلہ فریاد شخصی طور پر موجود تھے۔ مذکور کے ذاکر پر ٹکر کر رہے ہیں۔ وفد کی یو یونورسی آمد کے موقع پر یو اسنگم تماںگان کے نوؤل آفسر پر فیصلہ فریاد شخصی طور پر موجود تھے۔ اور ان لوگوں کی گلوبویٹ کی آمد۔ پروفیسر محمد فریاد نے ہماچل پردوش کے ساتھ پر جوش بنا کر اپنے مذکور کے گیئے ہاؤ میں وفد کی آمد کے موقع پر رواہی عربی "مرغ" کے ساتھ پر جوش بنا کر اپنے مذکور کے گیئے ہاؤ میں وفد کی آمد کے موقع پر یو اسنگم تماںگان کے نوؤل آفسر پر فیصلہ فریاد شخصی طور پر موجود تھے۔ اس 400 سالہ قدم یہ تاریخی اور خوبصورت آزادی میں کیا گی۔ یہی طور پر خیر مدارت کو دیکھ کر وفد کے سمجھی ارکین